देवलोकगमन : ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका का निधन : डॉ. निर्मला दीदी को सांस लेने में हो रही थी तकलीफ, अहमदाबाद में चल रहा था इलाज

संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. निर्मला दीदी का अव्यक्तलोकगमन

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी।

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी से मिलते हुए डॉ. निर्मला दीदी।

भारत की राष्ट्रपति माननीय द्रोपदी मुर्मू को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी व कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करते हुए राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी। साथ हैं कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय व ब्र.कु. शिविका।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी के साथ राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी।

आबूरोड ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. निर्मला दीदी का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद के हॉस्पिटल में 20 अक्तूबर, 2023 सुबह 11बजे अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहीं थीं।

डॉ. निर्मला दीदी 27 वर्ष की आयु में ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ीं और पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। ब्रह्माकुमारीज़ की कोर कमेटी मेंबर होने के साथ आपने संस्थान के संस्थापक ब्रह्माबाबा से ज्ञान प्राप्त किया। सरलता, विनम्रता और उदारता की प्रतिमूर्ति डॉ. निर्मला दीदी के जीवन से प्रेरणा लेकर हज़ारों लोगों ने अपना जीवन आनंदमय बनाया।

डॉ. निर्मला दीदी ने अपना पूरा जीवन विश्व के कल्याण में लगा दिया। आपने वर्षों तक विदेश में रहकर ईश्वरीय सेवाएं कीं। आपके ज्ञान और जीवन से प्रभावित होकर हज़ारों लोगों को आध्यात्मिक पथ पर चलने की प्रेरणा मिली। आपका सरल और विनम्र स्वभाव सभी को प्रभावित करता था। ऐसी आध्यात्मिक जगत की महान आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजली।

वर्ष 1935 में मुंबई में हुआ था जन्म

मुंबई के प्रसिद्ध व्यापारी परिवार में वर्ष 1935 में जन्मी डॉ. निर्मला दीदी बचपन से ही प्रतिभावान रहीं। आप बचपन से खेलकूद के साथ पढ़ाई में विशेष रूचि रखती थीं। वर्ष 1962 में आपने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। इसी वर्ष आप ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आईं। मुंबई में आपने 1962 में ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती(मम्मा) से ज्ञान प्राप्त कर और उनके जीवन से प्रभावित होकर अध्यात्म के प्रति विशेष रूचि बढ़ गई। मम्मा के प्रवचन सुनकर और पवित्र जीवन ने प्रभावित किया। आपको बचपन से ही समाजसेवा का शौक था।

1964 में पहली बार ब्रह्मा बाबा से मिली

वर्ष 1962 में संस्थान से राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा लेने के बाद आप पहली बार वर्ष 1964 में माउण्ट आबू पहुंची, जहाँ ब्रह्माबाबा से मुलाकात के बाद आपने समर्पित रूप से सेवाएं देने का संकल्प किया। वर्ष 1966 से आप सम्पूर्ण समर्पित रूप से ईश्वरीय सेवाएं दे रहीं थीं। सेवा साधना के इस पथ पर चलने के आपके संकल्प में माता-पिता ने भी सहर्ष स्वीकृति दे दी। यह वह समय था जब महिलाओं का विश्व सेवा में तपस्या की राह पर चलते हुए अपना जीवन समर्पित करना साहसपूर्ण निर्णय होता था।

लंदन से शुरू हुआ राजयोग संदेश, 70 देशों में पहुंचाया

उच्च शिक्षित होने के कारण तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी प्रकाशमणि ने डॉ. निर्मला दीदी को विदेश सेवाओं की ज़िम्मेदारी सौंपी। वर्ष 1971 में आप पहली बार लंदन पहुंची, जहाँ दादी जानकी के साथ कुछ समय सेवाएं देने के बाद आपने अफ्रीका, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, सिंगापुर सहित 70 देशों में लोगों में अध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन की अलख जगाई।

ऑस्ट्रेलिया अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा

अध्यात्म के क्षेत्र में आपकी विशेष सेवाओं को देखते हुए सरकार ने आपको ऑस्ट्रेलिया अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा। करीब 12साल से आप संस्थान के माउण्ट आबू स्थित ज्ञान सरोवर परिसर की निदेशिका और तीन साल से संयुक्त मुख्य प्रशासिका की ज़िम्मेदारी संभाल रहीं थीं।

पश्चिमी संस्कृति में डूबे लोगों को भारतीय संस्कृति से जोड़ा

दृढ़ इच्छा शक्ति, आत्मबल, उच्च कोटि का चरित्र बल का परिणाम है कि आपने चंद वर्षों में हज़ारों लोगों को प्राचीन राजयोग के माध्यम से पश्चिमी संस्कृति से निकालकर भारतीय संस्कृति से जोड़कर उनके जीवन का सकारात्मक परिवर्तन किया।

राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी को ईश्वरीय स्मृति का तिलक देते हुए राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी।

अव्यक्त बापदादा से वरदान प्राप्त करते हुए राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी।

ब्रह्माबाबा से मिलते हुए राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी, राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि व ब्र.कु. किशोर भाऊ।

पार्टी से मुलाकात करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्रह्माबाबा के साथ राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी, दादी प्रकाशमणि व अन्य।

ब्रह्माबाबा के साथ चित्र में राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी, दादी प्रकाशमणि व ब्र.कु. बृजेन्द्रा दादी।

कार्यक्रम में राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी के साथ अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी व संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी।

कन्याओं के ईश्वरीय समर्पण समारोह में राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी, राजयोगिनी दादी ईशु व ब्र.कु. सोमप्रभा दीदी।